DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

1688 ई. की गौरवपूर्ण क्रान्ति — VI

जेम्स द्वारा पुराने न्यायालय की स्थापना :— जेम्स द्वितीय ने चिढ़कर पुराने न्यायालय Court of High Commission को फिर से स्थापित कर दिया। इस न्यायालय में प्राय: सभी कैथोलिक को रखा गया। इसका प्रमुख कार्य था। कैथोलिक धर्म के विरोधियों को दंड देना। इनको इस न्यायालय में कड़ी सजा दी जाती थी। राजा के आलोचकों को अपने पद से हाथ धोना पड़ता था। राजा की आज्ञा का उल्लंघन करने पर उसने विशप को भी अपने पद से वंचित कर दिया जाता था। राजा का असिमित अत्याचार जनता की सहन शक्ति से बाहर हो गये। अत: जनता राजा के खुनी पंजे से मुक्त होने के लिए छटपटा उठी।

स्थाई संख्या में वृद्धि :→ पार्लियामेंट की इच्छा के विरुद्ध जेम्स द्वितीय ने लंदन में एक नया गिरजाघर खोला जिसके फलस्वरूप लंदन नगर में भीषण रूप से झगड़ा हो गया। जेम्स द्वितीय ने इस झगड़ा को शान्त करने के लिए बहाने अपनी सैना की संख्या लगभग 30000 कुशल सैनिक बहाल किये गये जो सभी लंदन भयभीत हो गया। इससे भी क्रान्ति की शुरुआत हुई।